प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना लाभार्थी सम्मान सम्मेलन में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

-(स्थान: विजय श्री रंगमंच, दशहरा मैदान, कोटा)

एक समय था जब नौकरी पेशे वालों को भी लोन लेने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने पड़ते थे। गरीब आदमी, रेहड़ी ठेले वाला तो बैंक के भीतर जाने की भी नहीं सोच सकता था। लेकिन आज बैंक खुद चलकर आ रहे हैं। बिना किसी दौड़ भाग के अपना काम शुरू करने के लिए लोन मिल रहा है।

आज आप सबके चेहरों पर ये खुशी देखकर मुझे भी बहुत संतोष हो रहा है। आप सब को आपके काम के लिए, आत्मनिर्भर होकर आगे बढ़ने के लिए, इस प्रदेश और देश को आगे बढ़ाने के लिए मैं बहुत बहुत शुभकामनायें देता हूं।

स्वरोजगार करने वाले आप सब मेरे भाई – बहन हमारे देश के सामर्थ्य के प्रतीक हैं। आप में से कोई पशुपालक है, किसी की छोटी सी दुकान है, कोई, सड़क किनारे कुछ बेचता है, किसी का छोटा सा प्रतिष्ठान है। आप में से हर एक व्यक्ति कुछ हजार रुपए के हिसाब से कमाता है; लेकिन आप सामूहिक रूप से देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हो। मैं आपकी जीवटता, कर्म के प्रति आपके जज्बे को सलाम करता हूँ।

पिछले साल जब आप में से कई लोगों को पीएमस्वनिधि योजना के माध्यम से ऋण मिला था, तब मैंने देखा था कि अपने व्यक्तिगत स्तर पर छोटा-मोटा स्वरोजगार करने के साथ आपके मन – मस्तिष्क में अपने काम को आगे बढ़ाने की चेष्टा थी। उसी सोच के साथ आपने काम किया। आप में से कई लोगों ने उस 10 हजार के लोन को चुकाकर आगे 20 हजार का लोन लिया। और जब इस 20 हजार को चुका दोगे, तब 50 हजार का लोन भी इस योजना में मिलेगा।

आप में से बहुत से लोग कम पढ़े-लिखे हैं, लेकिन मैंने देखा है कि आप आधुनिक टेक्नोलॉजी को भी सीख रहे हो। आप में से लगभग सभी लोग अपने काम में यूपीआई ट्रांजेक्शन कर रहे हैं। नए-नए तरीकों से अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

मेरा मानना है कि जब देश का गरीब और फुटपाथ पर अपना काम करने वाला व्यक्ति जब आर्थिक रूप से मजबूत होगा, छोटा दुकानदार मजबूत होगा, देश का किसान जब आर्थिक रूप से मजबूत होगा, जब हमारे युवा नए नएस्टार्टअप के माध्यम से मजबूत होंगे, देश के पशुपालक मजबूत होंगे; तब हमारा आर्थिक तंत्र और अधिक सशक्त एवं समृद्ध बनेगा।

इसलिए सरकार की ऋण योजना/क्रेडिट कार्ड के माध्यम से हम किस तरीके से हमारे अर्थतंत्र के नीचे तक के छोटे से छोटे काम करने वाले व्यक्ति को सशक्त बना सके, इस पर हमारा फोकस है। हमारी अर्थव्यवस्था की चेन की एक एक कड़ी को हम आत्मनिर्भर बना सकें, इसके लिए हम काम कर रहे हैं।

छोटा काम करने वाला कोई व्यक्ति है, जो फुटपाथ पर काम करता है, जो रेहड़ी-पटरी पर काम करता है; मैं देखता हूँ कि वो हर दिन काम करता है और हर रोज कमाता है फिर अपना पेट-अपना परिवार पालता है। मैंने देखा है कि अगर परिवार के दो व्यक्ति हैं, तो दिन के आधे टाइम एक ठेले पर बैठता है और दूसरा व्यक्ति आधे टाइम बैठता है, कभी बच्चे भी बैठते हैं।

इस तरह संयुक्त मेहनत से वो अपनी आय कमा लेते हैं कि उनके घर का गुजारा चल सके। लेकिन मेहनत करने वाले वो मजदूर अपनी आवश्यकता पूरी कर और अधिक आगे बढ़ सके, इसके लिए उन्हें आर्थिक सहयोग की जरूरत होती है, आर्थिक मदद की जरूरत होती है, जो उन्हें समाज में आसानी से मिल नहीं पाती है।

जब फुटपाथ पर काम करने वाले को, ठेला चलाने वाले व्यक्ति को सरकार से आसानी से लोन मिलता है,युवाओं को मुद्रा लोन मिलता है; तो वो उससे और आगे बढ़ पाते हैं।

जैसे जूते का काम करने वाला कोई मोची, जो पहले सिर्फ जूते सिलाई करता था। अगर उन्हें 10 हज़ार रुपए का लोन मिल जाए तो वो 10 हज़ार रुपए में चप्पल खरीदकर भी बेच सकेगा। इसी तरीके से कोई फल वाला है, कोई सब्जी वाला है; उनको अगर थोड़ी और सहायता मिल जाए तो उसकी आमदनी बढ़ जाएगी। अपने ठेले पर वो चार सब्जी, चार फ्रूट्स, ऑर्गेनिक सब्जी अलग से रख सकेंगे। अधिक कमाई कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

आप में से कई लोग ठेला चलाते हैं। जो ठेले पर सब्जी बेचते हैं, सामान बेचते हैं; ठेले के मालिक खुद नहीं होते हैं। बल्कि किराये पर ठेला लाते हैं। आप में से ऐसे कई लोग थे। लेकिन जब 10 हजार रुपए का लोन मिला, तब आप में से कई कई लोगों ने उससे अपना खुद का ठेला खरीद लिया। जो ठेले पर सामान बेचता है, वह ठेले का मालिक बने। आज यह साकार हुआ है।

साथियो, आप सब हमारे देश की ताकत हैं। आप लोगों से देश आगे बढ़ता है। साथियो, 3 – 4 साल पहले कोरोना महामारी के समय देश के आम और गरीब जन को आर्थिक सहारा मिले, इसी सोच के साथ, देश ने 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपयों की गरीब कल्याण योजना शुरू की थी। कोई गरीब भूखा न सोये इसकी चिंता की थी।

उस समय जब माननीय प्रधानमंत्री जी ने 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा की, तो उसमें गरीब के हित को, उसकी रोजी रोटी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

प्रधानमंत्री स्ट्रीटवेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएमस्वनिधि) योजना की शुरुआत भी उस समय की गई थी। जब पूरा देश कई दिनों के लिए थम गया था, तब गरीब और आम आदमी की आजीविका पर संकट ना आए, इसके लिए पीएमस्वनिधि योजना प्रारंभ की गई थी।

सड़क किनारे अपना काम करने वाले लोगों (स्ट्रीटवेंडर्स)को बिना गारंटी के किफ़ायती ऋण उपलब्ध करवाने की इस तरह की योजना आज़ादी के बाद पहली बार बनी है। मेरे साथियो, आज देश आपके साथ खड़ा है, आपके श्रम का सम्मान कर रहा है। आज देश, आत्मनिर्भर भारत अभियान में आपके योगदान को भी पहचान रहा है।

इस योजना में शुरुआत से ही इस बात का ध्यान रखा गया है कि हमारे रेहड़ी-पटरी लगाने वाले भाई-बहनों को किसी तरह की दिक्कत न हो। शुरू में कई लोग इसलिए परेशान थे कि उन्हें लोन लेने के लिए कौन कौन से कागज लगाने पड़ेंगे, क्या गारंटी देनी होगी। इसलिए ये सुनिश्चित किया गया कि गरीबों के लिए बनी अन्य योजनाओं की तरह ही इस योजना में भी टेक्नोलॉजी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाएगा।

कोई कागज नहीं, कोई गारंटर नहीं और किसी सरकारी दफ्तर के बार-बार चक्कर लगाने की भी जरूरत नहीं!

एप्लिकेशन आप खुद भी ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं, और किसी कॉमन सर्विस सेन्टर, नगर पालिका कार्यालय या बैंक ब्रांच में जाकर भी आवेदन अपलोड करा सकते हैं।

हमारे देश का आम व गरीब व्यक्ति ईमानदारी और आत्मसम्मान से कभी भी समझौता नहीं करता है। पीएमस्वनिधि योजना के जरिए आप सभी ने इस सच्चाई को साबित किया है, देश के सामने अपनी ईमानदारी का उदाहरण पेश किया है।

आज कोटा के साथ ही पूरे देश में स्ट्रीटवेंडर्स को स्वनिधि योजना का लोन दिया गया है, और आप में से अधिकतर लोग अपना लोन समय से चुका भी रहे हैं। आप मेहनत करके कमाई भी कर रहे हैं,और किश्त भी चुका रहे हैं। ये हमारे देश के आम और गरीब जन की इच्छाशक्ति है, श्रमशक्ति है, और ईमानदारी है।

साथियो, पीएमस्वनिधि योजना में आपके लिए ऋण आसानी से उपलब्ध है; और समय से अपना लोन चुकाने पर ब्याज में 7 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी।

और अगर आप डिजिटल लेनदेन करेंगे तो एक महीने में 100 रुपए तक कैश बैक के तौर पर वापस भी आपके खाते में जमा होगा, मिलना शुरू हो जाएगा। यानि, ये दोनों चीजें करने पर एक प्रकार से आपका जो लोन है, ये पूरी तरह ब्याजमुक्त हो जाएगा, ब्याज फ्री हो जाएगा।

पहली बार जब आप अपना लोन समय पर एक साल के अंदर चुका देंगे, तब दूसरी बार इससे भी ज्यादा 20 हजार रुपए तक का और तीसरी बार 50 हजार रुपए तक का ऋण आपको मिल सकता है।ये पैसा आगे आपको अपना काम बढ़ाने में, व्यवसाय बढ़ाने में मदद करेगा।

पीएमस्वनिधि योजना का मुख्य उद्देश्य छोटे स्तर पर काम करने वाले लोगों, रेहड़ी-पटरी-दुकान पर काम करने वाले व्यापारियों की उद्यमशीलता को बढ़ाना है।

यह योजना आज हमारे रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले बंधुओं, छोटे दुकानदारों को स्वावलंबी बनाकर देश और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में बेहद उपयोगी साबित हो रही है।

पी एम स्वनिधि योजना, किसान और पशुपालक क्रेडिट कार्ड योजना जैसी स्कीम्स से आज हमारे किसान - पशुपालक, छोटे कारोबारी, व्यापारी सशक्त हुए हैं। इन योजनाओं के माध्यम से छोटे-मोटे काम करने वाले मजदूर वर्ग को जरूरत के समय आर्थिक मदद मिल रही है।

आज भारत सरकार की कई योजनाएं देश के आमजन को सशक्त कर रही है। युवाओं को संबल दे रही है, महिलाओं का सम्मान बढ़ा रही है।

स्टैन्ड अप इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, पं. दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, मुद्रा योजना, कौशल विकास योजना जैसी स्कीम्स से हमारे नौजवानों को स्वरोजगार करने के लिए, और प्रशिक्षित होकर उद्यम क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए संबल मिला है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से महिलाओं कासशक्तिकरणहुआ है। प्रसूति माता-बहनों और बच्चों के विकास के लिए कई कार्यक्रम चलाए गए हैं।

किसान भाइयों को संबल और समर्थन देने के लिएPM किसान सम्मान सम्मेलन, प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, पशु किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, प्रधान मंत्री किसान मानधन योजना, पशुधन बीमा योजना जैसी कई योजनाएं आज चल रही हैं। इन योजनाओं और कार्यक्रमों से हमारे किसान और पशुपालकों को संबल मिलता है।

मुझे विश्वास है कि आज इस लाभार्थी सम्मेलन से आप सब नई प्रेरणा लेकर जाएंगे। सरकार की योजनाओं से जो लाभ आपको मिलेगा, उससे आप निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। इसी संदेश और इसी कामना के साथ आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं। धन्यवाद।